

सर्वार्थ पुं. (तत्.) समस्त पदार्थ, समस्त विषय।

सर्वार्थवाद पुं. (तत्.) यह मत कि अंत में सभी को ईश्वर का सामीप्य प्राप्त होता ही है।

सर्वार्थसाधन पुं. (तत्.) 1. सभी इच्छाओं की पूर्ति, समस्त उद्देश्यों को सिद्ध करना 2. सभी कार्य सिद्ध करने का साधन या उपाय।

सर्वार्थसिद्धि स्त्री. (तत्.) सभी उद्देश्यों की प्राप्ति।

सर्वालिंगी वि. (तत्.) 1. आडंबर रचने वाला, पाखंडी 2. नास्तिक।

सर्वावसु पुं. (तत्.) सूर्य की एक किरण का नाम।

सर्वावासी वि. (तत्.) सर्वत्र निवास करने वाला।

सर्वाशय पुं. (तत्.) सबका आश्रय स्थल, परमात्मा।

सर्वाशी वि. (तत्.) सर्वभक्षी, सब कुछ खाने वाला।

सर्वाश्रय पुं. (तत्.) सभी का आश्रय स्थान, परमेश्वर।

सर्वास्तिवाद पुं. (तत्.) बौद्ध धर्म के वैभाषिक संप्रदाय के चार सिद्धांतों में से एक जिसके अनुसार सभी पदार्थ सत्य हैं, ऐसी मान्यता है कि इस सिद्धांत की स्थापना गौतम बुद्ध के पुत्र राहुल ने की थी, इस सिद्धांत का प्रमुख ग्रंथ 'अभिधर्मकोश' है जो वसुबंधु द्वारा रचित है।

सर्वास्तिवादी वि. (तत्.) सर्वास्तिवाद का अनुयायी, बौद्ध।

सर्वास्त्र वि. (तत्.) 1. सभी अस्त्र 2. सभी प्रकार के अस्त्र।

सर्वास्त्रा स्त्री. (तत्.) सोलह जैन विद्या देवियों में से एक, महाज्वाला।

सर्वीय वि. (तत्.) जिसका संबंध सबसे हो, सबसे मेल-जोल रखने वाला।

सर्वे पुं. (अं.) 1. किसी विषय का सर्वांगीण क्रमबद्ध विवेचन 2. भूमिखंडों की नापजोख 3. किसी विषय के सभी पक्षों का वैज्ञानिक अध्ययन। सर्वेक्षण।

सर्वेक्षक वि. (तत्.) सर्वेक्षण करने वाला (कर्मचारी या अधिकारी)।

सर्वेक्षण पुं. (तत्.) दे. सर्वे।

सर्वेश वि. (तत्.) सबका स्वामी पुं. 1. शिव 2. परमात्मा।

सर्वेश्वर पुं. (तत्.) दे. सर्वेश।

सर्वेश्वरवाद पुं. (तत्.) यह मत कि अणु-अणु में परमात्मा का वास है तथा परमात्मा में सब कुछ समाहित है, अद्वैत मत।

सर्वेश्वरवादी वि. (तत्.) सर्वेश्वरवाद का अनुयायी।

सर्वेसर्वा पुं. (तत्.) जिसके हाथ में संपूर्ण सत्ता हो और जिस पर किसी का नियंत्रण न हो।

सर्वोच्च वि. (तत्.) 1. सबसे ऊँचा जैसे- एवरेस्ट हिमालय की सर्वोच्च चोटी है सबसे बड़ा जैसे- कार्यालय का सर्वोच्च अधिकारी 2. सबसे महत्वपूर्ण जैसे- सर्वोच्च निर्णय।

सर्वोच्च न्यायालय वि. (तत्.) नई दिल्ली में स्थित सबसे बड़ा न्यायालय जो सभी राज्यों के उच्च-न्यायालयों के निर्णयों की पुनः सुनवाई कर सकता है, उच्चतम न्यायालय।

सर्वोत्तम वि. (तत्.) सबसे अच्छा।

सर्वोदय पुं. (तत्.) 1. सबका उदय या उन्नति 2. गांधीवाद से प्रेरित एक आंदोलन जिसके प्रवर्तक प्रसिद्ध समाजसेवी जयप्रकाश नारायण थे।

सर्वाधि पुं. (तत्.) 1. सर्वांगपूर्ण सेना 2. मधु का एक प्रकार।

सर्वोपकारी वि. (तत्.) सबका उपकार या सहायता करने वाला।

सर्वोपयोगी वि. (तत्.) सबके उपयोग में आने योग्य।

सर्वोपरि वि. (तत्.) 1. सबसे ऊपर जैसे- संस्कृत महाकवियों में कालिदास का नाम सर्वोपरि है 2. सर्वाधिक महत्वपूर्ण जैसे- हमारा सर्वोपरि कर्तव्य राष्ट्र सेवा है 3. सर्वोच्च।

सर्वोपरि सत्ता स्त्री. (तत्.) सर्वोच्च स्थिति जैसे- हमारे घर में सर्वोपरि सत्ता माँ की ही है।

सर्वोप्सित वि. (तत्.) जो सबका इच्छित हो।